संकलित परीक्षा -2 (2015-16)

हिंदी 'ब'

कक्षा - X (Sample Paper-1)

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न -पत्र के चार खंड हैं-क,ख,ग,घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर कमश: दीजिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **12**

बच्चे की प्रथम पाठशाला घर है।अतः बचपन से ही माता-पिता अपने बच्चों को बात-बात पर स्वावलंबन का पाठ पढाएँ ,शिक्षा-केंद्र भी इस ओर विशेष ध्यान दें;क्योंकि छोटे-छोटे बच्चों मे जब अपना कार्य करने की भावना भर जाएगी ,तो वे स्वयम् स्वावलंबी बन जाएँगे। स्वावलंबन से ही मनुष्य की प्रगति संभव है। स्वावलंबी व्यक्ति ही अपना और अपने परिवार का भरण -पोषण करने में सक्षम होता है।कवि हरिवंशराय बच्चन जी ने कहा है कि 'ईश्वर भी उन्हीं को सहायता देता है,जो खुद की सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं।बैसाखी के सहारे चलने वाले व्यक्ति की यदि कोई बैसाखी छीन ली जाए ,तो वह चलने में असमर्थ हो जाता है।' ठीक यही स्थिति दूसरों के सहारे जीने वाले लोगों की भी होती है।प्राचीन काल में गुरुकुल प्रणाली उत्तम थी,जिसमें पुष्पवाटिका का सिंचन एवम् खेती करने का भी विधान था।छात्र को प्रतिरक्षा की शिक्षा की शिक्षा दी जाती थी ।वह आजकल के अंग्रेज़ी पढ़े -लिखों के समान पानी पीने के लिए दूसरे का मुख नहीं ताकता था,नौकरी के लिए वह बिलकुल लालायित नहीं होता था। स्वावलंबन 'स्वाधीनता 'का प्रतीक था।इसके विपरित परावलंबन पराधीनता की निशानी है।यदि जगत में नाम कमाना चाहते हैं और अपने देश को उन्नत देखना चाहते हैं तो स्वावलंबन को अपनाना ही पड़ेगा। स्वावलंबी व्यक्ति अपने परिश्रम पर्याप्त धन कमा लेता है और निरादर के धन को अति तुच्छ समझता है; क्योंकि उसे स्वावलंबन के आगे कुबेर का कोष भी व्यर्थ लगता है।

(i) हमारे कैसे प्रयास से बच्चे स्वावलंबी बनेंगे ? **2**

(ii) पुष्पवाटिका का सिंचन और खेती करने का विधान किस प्रणाली में था ? **2**

(iii) स्वावलंबन को अपनाकर हम क्या कर सकते हैं ? **2**

(iv) कवि हरिवंशराय बच्चन जी स्वावलंबन बने रहने की सलाह क्यों दे रहे हैं? **2**

(v) स्वावलंबन किसका प्रतीक है और परावलंबन किसका प्रतीक है ? **2**

(vi) 'ताकना' का एक पर्यायवाची और 'आदर 'का विलोम शब्द लिखिए - **1**

(vii) इस गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए। **1**

प्रश्न **2** **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **8**

यह सड़क जहाँ खून बह रहा है,

उसे सूँघकर तो देखो,

और पहचानने की कोशिश करो,

यह हिंदू का है या मुसलमान का,

किसी सिक्ख का या ईसाई का,

किसी बहन का या किसी भाई का,

सड़क पर इधर -उधर पड़े,

पत्थरों के बीच में दबे,

टिफ़िन कैरियर से ,

जो रोटी की गंध आ रही है,

वह किस जाति की है,

हाँ, मैं बता सकता हूँ ,

यह खून उस आदमी का है।

जिसके टिफ़िन में बंद रोटी की गंध ,

उस जाति की है,

जो घर और दफ़्तर के बीच साइकिल चलाती है,

और जिसके सपनों की उम्र ,

फ़ाइलों मे बीत जाती है।

(i) उपर्युक्त काव्यांश में कवि क्या चित्रित कर रहा है ? **2**

(ii) उपर्युक्त काव्यांश में कवि क्या पहचानने के लिए कह रहा है? **2**

(iii) क) 'गंध' शब्द में उपसर्ग जोड़कर और 'इक' प्रत्यय जोड़कर नये शब्द बनाओ ? **2**
ख) कवि ने कितने धर्मों का उल्लेख किया है?

(iv) उपर्युक्त काव्यांश का शीर्षक 'लिखते हुए बताइए कि हिंसा का समाज पर कैसा प्रभाव पड़ता है? **2**

खंड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए- **3**

(i) जब पाकिस्तान ने कारगिल में घुसपैठ की, तब भारत ने उसे करारी मात दी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ii) महामहिम राष्ट्रपति का आगमन हुआ और राष्ट्रगान शुरू हो गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(iii) आँधी चलने से घर में धूल आ गई । (रचना के आधार पर वाक्य का प्रकार बताइए)

प्रश्न 4 निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए - **4**

(i) कनिका की गर्मी के कारण आँख लाल हो गई।

(ii) अनेकों लोगों ने बहुत शोर किया।

(iii) बिना सच बोले तुम छूट नहीं सकते।

(iv) मरने से वह अमर हो गया।

प्रश्न 5 (i) शब्द पद कब कहलाता है? **2**

(ii) शब्द और पद में कोई दो अंतर लिखिए

प्रश्न 6 क) निम्नलिखित समस्त - पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए- **2**

नीलकंठ   कालीमिर्च

ख) निम्नलिखित शब्दों से समास बनाइए तथा समास का नाम लिखिए- **2**

नौ रत्नों का समूह   लोक की संस्कृति

प्रश्न 7 निम्नलिखित मुहावरों का इस प्रकार अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए **2**

क) एक टाँग पर खड़े रहना

ख) शैतान की औलाद

खंड ग

(पाठ्य- पुस्तक)

प्रश्न 8 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः** **2+2+1=5**

(i) 'गिरगिट' कैसे व्यक्तियों को कहा जा सकता है?

(ii) बेचारा समुद्र क्यों सिमटता जा रहा है? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले'पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए

(iii) 'कारतूस' एकांकी में वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती है ?

प्रश्न 9 'गिरगिट कहानी समाज में व्याप्त विसंतियों का पर्दाफ़ाश करती है।' कहानी में वर्णित विसंगतियाँ के बारे में बताते हुए।

अथवा

'गिन्नी का सोना ' पाठ के आधार में लेखक के अनुसार 'सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

प्रश्न 10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः** **5**

दुनिया कैसे वजूद में आई ? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है,धार्मिक अपनी-अपनी तरह से।संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो ,लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।पंछी,मानव,पशु,नदी ,पर्वत ,समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है।यह और बात है कि हिस्सेदारी में मानव - जाति ने अपनी वुद्धि से बढ़ी-बढ़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं ।पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बढ़े-बढ़े दालानों -आँगनों में सब मिलजुलकर रहते थे, अब छोटे -छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।बढ़ती हुई आवादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है,पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को वस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया है।अब गरमी में ज़्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाव, तूफ़ान और नित नये रोग , मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(i) 'दुनिया कैसे बजूद में आई? ' इस कथन का उत्तर वैज्ञानिक और ग्रंथ कैसे देते हैं?

(ii) बढ़ती हुई आबादी के क्या परिणाम दिखाई पड़ रहे हैं ?

(iii) पहले के समय में और अब के समय में मनुष्य के जीवन में क्या अंतर आ गया है?

प्रश्न 11 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः** **5**

(i) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री ने अपने प्रियतम को प्राप्त करने के लिए कौन -सा दीप जलाया है और वह उस दीपक को विहँस-विहँस जलने को क्यों कह रही है ?

(ii) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षा रखी हैं ? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर सकते हैं ? तर्क सहित उत्तर दो।

(iii) 'आत्मत्राण' कविता में कवि दुखों से घिरे होने पर भी परमात्मा से क्या अनुरोध कर रहा है ?

प्रश्न 12 'आत्मत्राण' कविता जीवन की विषम परिस्थितियों से जुझने की शक्ति से जुड़ा प्रार्थना गीत है।क्या आप इस कथन से सहमत हैं? **5**

प्रश्न 13 बचपन के खेले गए खेल आजीवन स्मरण आते रहते हैं और मन को विभोर कर देते हैं। कैसे? 'सपनों के- से दिन'पाठ के आधार पर बताइए।

अथवा 5

इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाई।समाज में महिलाओं को इस प्रकार मन-मारकर न रहना पड़े,इसके लिए आप क्या सुधार लाना चाहेंगे?

खंड घ

(रचना- भाग)

प्रश्न 14 किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए 5

(i) **भारतीय किसान**

संकेत बिन्दु :1) त्याग और तपस्या का नाम किसान 2) भारतीय किसान का अभावग्रस्त जीवन 3) वर्तमान में किसान कर्ज चुका पाने में अक्षम 4)उनकी स्थिति में सुधार के लिए उपाय

(ii) **प्रकृति और मानव**

संकेत बिन्दु :1) प्रकृति का सौंदर्य 2) प्रकृति से खिलवाड़ 3) बढ़ता हुआ प्रदूषण 4) प्रकृति की रक्षा हम सब का कर्तव्य

(iii) **ग्लोबल वार्मिंग के खतरे**

संकेत बिन्दु :1) ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ 2) ग्लोबल वार्मिंग के खतरे 3) ग्लोबल वार्मिंग के बुरे प्रभाव 4)समाधान के लिए सुझाव

प्रश्न 15 आपके शहर में डेंगू रोग से पीड़ित मरीज़ों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है, वहीं सिविल अस्पताल के डॉक्टर अपातकालीन हड़ताल पर बैठे हैं जिसके कारण शहर के लोगों को असुविधा हो रही है, इस समस्या को ध्यान रखते हुए, किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

प्रश्न 16 मेट्रो रेल में यात्रा करती हुई दो लड़कियों (कशिश और प्रिया)के बीच आगामी सप्ताह में लगने वाले 'पुस्तक -मेले' पर लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखिए। 5

प्रश्न 17 आपके विद्यालय में संगीत-सम्मेलन हो रहा है।इस संबंध में संगीत सभा के अध्यक्ष की ओर से एक सूचना लिखिए ,जिसमें दिनांक 17 फरवरी ,दिन बुधवार समय संध्या 6 बजे ,स्थान सभागार का उल्लेख हो। 5

प्रश्न 18 कलाश्री निकेतन द्वारा तैयार किए गए वस्त्रों की सेल संबंधी विज्ञापन लिखिए। जिसकी अवधि केवल तीन दिन है और 1999 रुपये मूल्य की खरीददारी पर 700 रुपये मूल्य का गिफ़्ट कूपन देने की बात है। 5

संकलित परीक्षा -2 (2015-16)

हिंदी 'ब'

कक्षा -X (Paper Solution-1)

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 90

खण्ड क

(अपठित बोध)

प्रश्न 1 (i) हमारे द्वारा बच्चों के लिए किए गये, छोटे -छोटे प्रयास और उनके कार्यो पर विशेष ध्यान देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा सकता है। माता-पिता बचपन में ही बच्चों को स्वावलंबी बबनबनने की शिक्षा दें। 12 12

(ii) प्राचीन काल में गुरुकुल प्रणाली उत्तम थी जिसमें पुष्पवाटिका का सिंचन और खेती करने की प्रणाली का विधान था।

(iii) स्वावलंबन को अपनाकर हम जीवन उन्नति कर सकते है। जिसके साथ - साथ स्वावलंबी व्यक्ति अपना और अपने परिवार का भरण -पोषण करने में सक्षम है ।

(iv) कवि हरिवंशराय बच्चन जी ने स्वावलंबन बने रहने की सलाह देते हुए कहा कि, 'ईश्वर भी उन्हीं को सहायता देता है,जो खुद की सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। बैसाखी के सहारे चलने वाले व्यक्ति की यदि कोई बैसाखी छीन ली जाए ,तो वह चलने में असमर्थ हो जाता है।'

(v) स्वावलंबन 'स्वाधीनता 'का प्रतीक था। इसके विपरित 'परावलंबन' पराधीनता का प्रतीक है।

(vi) देखना (पर्यायवाची),निरादर (विलोम शब्द)

(vii) स्वावलंबन

प्रश्न 2 (i) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने सांप्रदायिक आधार पर खून -ख़राबे के बाद के वातावरण को चित्रित किया है। कवि ने हर इंसान की रगों में वाले लहू का रंग लाल बताते हुए सभी से प्रार्थना की है कि जिस व्यक्ति का लहू बहा है,उसे पहचानो। 8

(ii) उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने धर्म के आधार पर होने वाले सांप्रदायिक दंगों में बहे गए लहू को देखकर धर्म विशेष के लोगों को पहचानने के लिए कहा है।

(iii) सुगंध,साम्प्रदायिक

(iv) उपर्युक्त काव्यांश का शीर्षक होगा 'लहू का रंग एक'।हिंसा का हमारे समाज पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

खंड - ख

(व्यावहारिक - व्याकरण)

प्रश्न 3 वाक्य रूपांतरण 3

(i) पाकिस्तान ने कारगिल में घुसपैठ और भारत ने उसे करारी मात दी।
(ii) जैसे ही महामहिम राष्ट्रपति का आगमन हुआ वैसे राष्ट्रगान शुरू हो गया।
(ii) आँधी चलने से घर में धूल आ गई । (सरल वाक्य)

प्रश्न 4 वाक्य को शुद्धि 4
(i) कनिका की गर्मी के कारण आँखें लाल हो गई।
(ii) अनेक लोगों ने बहुत शोर किया।
(iii) सच बोले बिना, तुम छूट नहीं सकते।
(iv) वह मरने के बाद अमर हो गया।

प्रश्न 5 2
(i) जब कोई शब्द व्याकरण के नियमों, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक, वचन, लिंग, पुरुष इत्यादि में बँध जाता है, तब वह 'पद' कहलाता है।
(ii) शब्द और पद में कोई दो अंतर निम्न से हैं-
1)शब्द स्वतंत्र व सार्थक इकाई है मगर पद शब्दों के मेल से बनता है।
2)शब्द मूल रूप है और पद शब्दों का व्याकरणिक नियमों के आधार पर परिवतित रूप है

प्रश्न 6 क) **समस्त - पदों का विग्रह करके समास का नाम -** 4
नीला है जो कंठ (कर्मधारय समास)अथवा नीला है जिसका कंठ(शिव)बहुब्रीहि समास,
काली है जो मिर्च (कर्मधारय समास)

ख) **समस्त पद बनाकर समास का नाम**

नवरत्न (दविगु समास),लोकसंस्कृति (तत्पुरूष समास)

प्रश्न 7 **मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग** 2

क) दुकानदार पूरा दिन एक टाँग पर खड़ा होकर सामान बेचता है।

ख) हमारे पड़ोसियों के बच्चे देखने में तो बड़े मासूम लगते हैं, पर वास्तव में हैं शैतान की औलाद हैं।

खंड ग

(पाठ्य- पुस्तक)

प्रश्न 8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः **2+2+1=5**

(i) लेखक ने सिद्धांत हीन लोगों को कहा है जो अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए जीवन मूल्य का दरकिनार करने में कोई हिचक नहीं करते हैं। गिरगिट की भाँति अपना रंग बदलता है, उनके लिए आदर्श और नैतिक मूल्य का कोई अस्तित्व नहीं है।ऐसे लोगों का कोई भी फ़ैसला दूसरों के हित में नहीं होता है।

(ii) बढ़ती हुई आबादी के कारण समुद्र स्वयम् को समेटता जा रहा है। उसकी जगह बिल्डरों ने हड़प ली है, उसने फैली हुई टाँगों समेटी,थोड़ा सिमटकर बैठ गया,फिर जगह कम हुई तो वह उकड़ूँ बैठ गया ।बढ़ती आबादी से समुद्र निरंतर सिमटता जा रहा है।

(iii) 'कारतूस' एकांकी में वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड की याद इसलिए आती है क्योंकि उनको जंगल में डेरा डाले हफ़्तों हो गये मगर यह जाँबाज़ सिपाही ने भूत की तरह किसी के हाथ नहीं आया।उसने कंपनी के नपाक इरादों को भाँप लिया था तथा वह अपने साहसिक कारनामों के कारण कंपनी के सैनिकों को चकमा देने में कामयाब रहा ,उसके यह दमखम निश्चय ही रोबिनहुड की याद दिलाता है।

प्रश्न 9 'गिरगिट कहानी समाज में व्याप्त विसंतियों का पर्दाफ़ाश करती है।' कहानी में वर्णित विसंगतियाँ निम्न से है - **5**

क) पुलिस समाज में उच्च वर्ग का साथ देती है तथा आम जनता के साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार होता है।

ख) सामान्य व्यक्ति को छोटे से छोटे अपराध के लिए दंडित किया जाता है, लेकिन उच्च वर्ग के लोगों के छोटे -मोटे अपराधों को अनदेखा कर दिया जाता है।

ग) समाज में भ्रष्टाचार व्याप्त है, छोटे से बड़े स्तर तक अधिकतर लोग बेईमानी का साथ देते हैं।

घ) भाई -भतीजावाद का बोलवाला है। समाज में फैली विसंगतियाँ को दूर करने के विषय में छात्रों के

निजि विचार होंगे।

अथवा

'गिन्नी का सोना ' पाठ के आधार में लेखक के अनुसार 'सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए।' लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि सत्य ही शाश्वत है तथा वह केवल वर्तमान में निहित है।वर्तमान में इसलिए जीना आवश्यक है क्योंकि ऐसा करने से स्वास्थ्य ठीक रहता है और जीवन में उन्नति होती है,यदि हम भूतकाल के लिए पछताते रहेंगे या भविष्य के सुनहरे सपनों में खोये रहेंगे तो हमारा वर्तमान भी ख़राव हो जाएगा।हमें भूतकाल से शिक्षा लेकर तथा भविष्य की योजनाओं को वर्तमान में ही परिश्रम द्वारा कार्यन्वित करने की कोशिश करें।इस संदर्भ में भगवान श्री कृष्ण ने 'गीता ' में भी वर्तमान में जीने का संदेश दिया है।

गद्यांश में से अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न **2+2+1=5**

प्रश्न 10

(i) दुनिया कैसे वजूद में आई ? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई आदि प्रश्नों के उत्तर विज्ञान और धार्मिक ग्रंथ अपने-अपने विचारों के अनुसार देते हैं।

(ii) बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है,पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया है। बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाव, तूफ़ान और नित नये रोग , मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(iii) धरती सभी जीव धारियों की संपत्ति है, लेकिन मानव - जाति ने अपनी वुद्धि से बढ़ी-बढ़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं, जिससे सारा संसार एक परिवार न रहकर टुकड़ों में बँट गया है।

पाठ्य - पुस्तक स्पर्श में से लघूत्तरीय प्रश्न (कविता भाग से) **2+2+1=5**

प्रश्न 11

(i) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री ने अपने प्रियतम को पाने के लिए अपने मन रूपी दीप जलाया है दीपक से अनुग्रह करती है कि हे मेरे मन रूपी दीपक तू निरंतर जल और अपने प्रियतम का पथ आलोकित कर ।कवयित्री कहती है कि दीपक हर दिन, हर पल, हर क्षण, हर परिस्थिति में हँसते-हँसते तूफ़ानों का सामना करता है कवयित्री मन रूपी दीपक को विहँस-विहँस जलने के लिए कहती है तू जल और अपने परमात्मा का मार्ग प्रशस्त कर तभी तुम अपने आराध्य का दर्शन पा सकोगे।

(ii) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से यह अपेक्षा रखी है कि कुर्बानी देने वालोळ पर नाज़ करें और उनके संसार से जाने के बाद देश की रक्षा,सुरक्षा का भार अपने कंधों पर ले लें।यह

देशवासियों से अपेक्षा की जाती है कि क्वे देश के मुकुट हिमालय का सिर झुकने न दें , हाँ, हम भारतीय उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतर सकते हैं, हम देशभक्तों कके बलिदानों को प्रेरणा का स्रोत मानकर देश सेवा का प्रण लेकर अपना कर्तव्य निभा सकते हैं।

(iii) कवि दुखों से घिरे होने पर कवि परमात्मा से प्रार्थना करता है कि हे प्रभु ! मुसीबतों से मैं घबराऊँ, बल्कि उनको सहर्ष स्वीकार कर सकूँ। मेरे साहस में कभी कोई कमी न न आए अर्थात् दुख की घड़ियों में मेरा आत्मबल बना रहे तथा सदा आप पर दृढ़ विश्वास बना रहे।

प्रश्न 12 **निबंधात्मक प्रश्न** **5**

'आत्मत्राण' कविता जीवन की विषम परिस्थितियों से जुझने की शक्ति से जुड़ा प्रार्थना गीत है और मैं इस कथन से पूर्णतः सहमत हूँ क्योंकि अधिकतर रचनाओं में प्रभु से दुखों और कष्टों को दूर करने की प्रार्थना की गई होती परंतु रवींद्रनाथ का दृष्टिकोण दूसरों से अलग है जिसमें उन्होंने अपने परमात्मा से अनुनय किया है कि हे प्रभु! चाहे आप विपत्तियों ,दखों ,मुसीबतों से भले ही न बचाओ ,जब मेरा चित्त मुसीबतों से घबरा जाए, बेचैन हो जाए तो भले ही सांत्वना भी मत दो, मगर प्रभु आप मुझे मुसीबतों को झेलने की शक्ति देना।कवि कहता है कि मेरे साहस में कभी कोई कमी न न आए अर्थात् दुख की घड़ियों में मेरा आत्मबल बना रहे मेरा सदैव आत्मविश्वास अडिग रहे । मैं कभी आत्मविश्वास खोकर दीन -हीन महसूस न करूँ।भले ही मुझपर संकटों दुखों की घोर काली- रात्री आ जाए, फिर करुणामय आपसे मुझे शक्ति और धैर्य देना कि मैं कभी भी ईश्वर पर संशय न करूँ अर्थात् आप पर मेरा अडिग विश्वास बना रहे, इस प्रार्थना गीत में हमें कहीं भी ऐसा महसूस नहीं होता कि कवि परमात्मा के समक्ष अपनी मुसीबतों को दूर करने की विनय की हो।

मूल्यपरक प्रश्न **5**

प्रश्न 13 'बचपन के खेले गए खेल आजीवन स्मरण आते रहते हैं और मन को विभोर कर देते हैं।' लेखक ने प्रस्तुत पाठ में बचपन के दिनों को सपनों के समान बिताये हुए दिन कहा है।बचपन की मधुर यादों को जीवनभर खट्टी - मिठ्ठी यादों के रूप में संजोकर रखा है।उनका मानना है कि बचपन में आपस में खेलने के लिए किसी भाषा की ज़रूरत नहीं होती, खेलने समय बच्चे एक दूसरे के भावों को स्वतः समझने में सक्षम हैं।

अथवा

इफ़्फ़न के दादा मौलवी थे तथा इफ़्फ़न की दादी जमींदार की बेटी थी ।जमींदारों के घर में खाने - पीने और गाने -बजाने में कोई पाबंदी न थी, परंतु जब वह ससुराल आ जाती तो उसे वहाँ मौलविन बनना पड़ता था।ससुराल में उसे मौलवी के नियमों के आअनुसार रहना पड़ता था।वह बेटे की शादी में अपने मन से गाने-बजाने का काम न कर सकी,क्योंकि उस समय मौलवी साहब ज़िंदा थे।उनकी मौत के बाद

अपने पोते के जन्मोत्सव में उसने गाने -बजाने के कार्यक्रम में भाग लिया ।अब उन्हें रोकने -टोकने वाला कोई न था।

खण्ड घ

(रचना- भाग)

प्रश्न 14

अनुच्छेद रचना

(i) **भारतीय किसान** **5**

विषय वस्तु - **2** अंक

शब्द चयन - **2** अंक

भाषा विन्यास - **1** अंक

(ii) **प्रकृति और मानव** **5**

विषय वस्तु - **2** अंक

प्रस्तुति - **2** अंक

भाषा - **1** अंक

(iii) **ग्लोबल वार्मिंग के खतरे** **5**

विषय वस्तु - **2** अंक

प्रस्तुति - **2** अंक

भाषा - **1** अंक

प्रश्न 15 **प्रत्र -रचना** **5**

प्रारूप - **2** अंक

प्रस्तुति - **2** अंक

भाषा - **1** अंक

प्रश्न 16

सूचना लेखन **5**

प्रारूप - **2** अंक

भाषा शैली और प्रवाह - **2** अंक

भाषा शुद्धि - **1** अंक

प्रश्न 17 **संवाद रचना** **5**

ाषय वस्तु का आरंभ - **2** अंक

प्रस्तुति एवम् प्रवाह - **2** अंक

भाषा शुद्धि - **1** अंक

प्रश्न 18 विज्ञापन रचना

विषय वस्तु प्रस्तुतिकरण - **2** अंक

शब्द चयन - **2** अंक

भाषा शुद्धता - **1** अंक